भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +2090

सोमवार, 2 अगस्त, 2021/11 श्रावण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

वन्य और वन्यजीव क्षेत्रों में पारिस्थितिकी पर्यटन हेतु दिशानिर्देश

+2090. श्री एस. ज्ञानतिरावियम:

श्री भगवंत मान:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने वन और वन्यजीव क्षेत्रों में पारिस्थितकी पर्यटन के लिए हाल ही में नए दिशानिर्देशों को मंजूरी दी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी क्या विशेषताएं हैं;

(ग) क्या अधिसूचित वन और वन्यजीव अभ्यारण्य में अवसरों को सुगम बनाने के लिए पारिस्थितिकी पर्यटन के मानदंडों को सुगम बनाने के लिए कोई कदम उठाए जा रहे हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ड.): पर्यटन मंत्रालय द्वारा इको पर्यटन को देश में विकास हेतु निश पर्यटन क्षेत्रों में से एक के रूप में अभिज्ञात किया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थाई आजीविका तथा एसडीजी प्राप्त करने के एक स्रोत के रूप में स्थाई पर्यटन की असीम संभावनाओं को पहचाना है। पर्यटन मंत्रालय ने तदनुसार इको पर्यटन पर फोकस के साथ स्थाई पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति एवं रोडमैप का एक प्रारूप तैयार किया है। इस दस्तावेज़ को और अधिक व्यापक बनाने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने अभिज्ञात केंद्रीय मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों और उद्योग जगत के हितधारकों से प्रतिक्रिया/टिप्पणियां/सुझाव आमंत्रित किए हैं।

पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत देश में थीम आधारित पर्यटन परिपथो का विकास कर रहा है। इको परिपथ तथा वन्य जीवन परिपथ इस योजना के तहत विकास हेतु अभिज्ञात 15 थीमेटिक परिपथो में शामिल हैं। स्वदेश दर्शन योजना के उद्देश्यों में स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से रोजगार का सृजन और समुदाय आधारित विकास तथा गरीबोन्मुख पर्यटन दृष्टिकोण का संवर्धन करना शामिल है। स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करना एक सतत प्रक्रिया है। इस योजना के तहत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन एवं पहले जारी की गई निधियों की उपलब्धता की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है।

स्वदेश दर्शन योजना की इको परिपथ तथा वन्य जीव परिपथ थीमों के तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

*****

अनुबंध

वन्य और वन्यजीव क्षेत्रों में पारिस्थितिकी पर्यटन हेतु दिशानिर्देश के संबंध में दिनांक 02.08.2021 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं. +2090 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में **विवरण**

पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के ईको परिपथ और वन्यजीव परिपथ थीमों के तहत विकास के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

राज्य/स्वीकृति वर्ष	**ब्यौरे**	**स्वीकृत राशि**
इको परिपथ		
उत्तराखण्ड (2015-16)	टिहरी झील के आसपास टिहरी-चंबा- सरैन परिपथ का विकास।	69.17
तेलंगाना (2015-16)	महबूबनगर जिले में परिपथ का विकास (सोमसिला, सिंगोटम, कदलाईवनम, अक्कामहादेवी, इगलनपंटा, फराहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेतर्थम)	91.62
केरल (2015-16)	पथनमथिट्टा - गावी- वागामोन-थेक्काडी का विकास	76.55
मिजोरम (2016-17)	आइजवाल – रापुईछिप – खावहपहवप – लेंगपुई – दर्तलांग - छटलांग-साकावरमुइतुइतलांग- मुथी- बेरातलवंग-तुरियल एयरफील्ड- हमुइफांग में इको-एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37
मध्य प्रदेश (2017-18)	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध- ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध-बारगी बांध-भेड़ा घाट-बाणसागर बांध- केन नदी का विकास ।	94.61
झारखण्ड (2018-19)	डलमा - चांडिल- गेतलसूद- बेतला राष्ट्रीय पार्क- मिरचैया-नेतरहाट का विकास	52.72
वन्यजीव परिपथ		
मध्य प्रदेश (2015-16)	पन्ना-मुकुंदपुर-संजय-डुबरी-बांधवगढ़-कान्हा-मुक्की-पेंच में परिपथ का विकास।	92.22
असम (2015-16)	मानस - पोबितोरा- नामेरी- काजीरंगा- डिब्रू-सैखोवा का विकास ।	94.68

*****